Bhajankilyrics

संसार के खिवैया श्री राम सिया मैया भजन लिरिक्स

Downloaded on: April 29, 2025

जब केवट ने देखा श्री राम बनवास जाने के लिए उनकी नाव में, आ रहे है तो केवट की प्रसन्नता का ठिकाना नही रहा और उसने सोचा... संसार के खिवैया राम सिया मैया, आन विराजे आज केवट की नैया, जो सब को पार करे, राम सिया मैया, धन्य भाग केवट के, बने जो खिवैया, जगत के खिवैया राम सिया मैया || नैया पर जब राम जी पधारे, केवट ने पहले पाँव पखारे, पाँव क्यों पाखरे, क्या केवट की मनसा, केवट ने दूर की राम की शंसा, राम ने पत्थर को पैर क्या लगाया, उसे सुन्दर सी महिला बनाया, नाव नार वन गई, सौत घर में आ गई, एक नार से मेरा घर उजियारा, दूजी अगर आई तो हो जैहे अँधियारा राम अपने बाप की बात याद कर लो, एक नही दो नहीं तीन महतारी, जिनिने राम घर से निकारी, एक अगर होती राम आपकी महतारी, क्यों देती आपको घर से निकारी, सशय करो न मेरे राम सिया मैया, संसार के खिवैया राम सिया मैया || इस तरह केवट ने रामको बैठाया, और नदियां के उस पार कराया, सिया ने उतर के देना चाही उतराई, मुस्कुराके सिया ने मुद्रिका दिखाई, बोले केवट कैसे लेले उतराई, सबको पर लगाते राम रघुराई, फिर हम दोनो की जात एक कहलाई, अगर माई देना चाहती हो उतराई, तो वापिस इस घाट, लेना मेरी नैया, संसार के खिवैया राम सिया मैया ||

© 2025 Bhajankilyrics. All rights reserved.